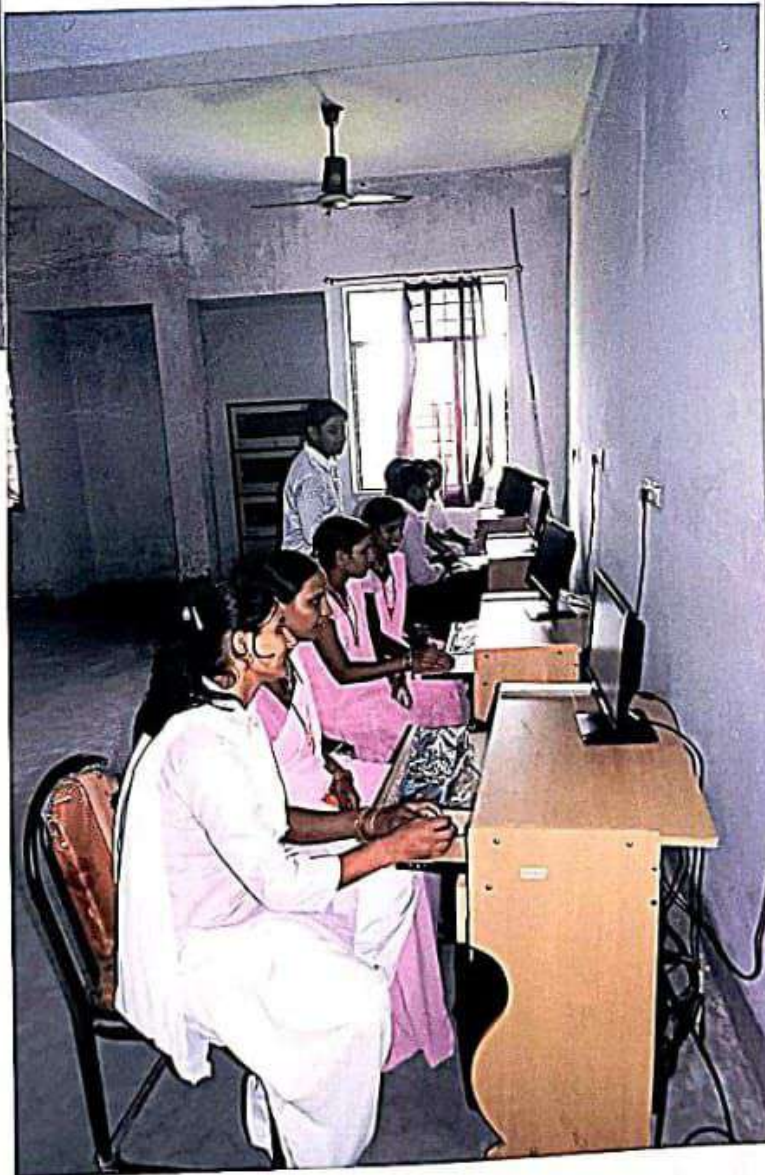



I.C.T. Lab USE FOR LESSION PLAN

17/05/19




PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Selecting, creating and use of website



Why Choose BYJU'S Exam Prep?



A large, stylized handwritten signature in black ink.

PRINCIPAL

Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Selecting, creating and use of website



View DIKSHA world of open digital content

Aruna
PRINCIPAL

Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Effective Teaching with LMS-Swayamprabha



Aruna

PRINCIPAL

Rhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Dist.)

Selecting, creating and use of website



[Handwritten Signature]

PRINCIPAL

Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

WHATSAPP LEARNING GROUP

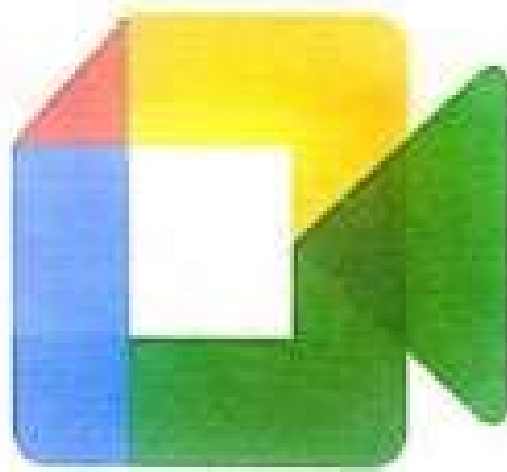
A handwritten signature in black ink, appearing to read 'Arunachal'.

PRINCIPAL

Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

GOOGLE MEET ONLINE CLASSES

Google Meet Online Classes

A handwritten signature in black ink, which appears to read 'Arunachal'.

PRINCIPAL

Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)


Workshop sessions for effective communication

WORKSHOP SESSIONS FOR EFFECTIVE Communication and interpersonal skills are fundamental to success. The college organised various workshops to improve communication skills among the students using games, contemporary media, thought-provoking discussions and fun techniques. The faculty/mentors lead students from idea development to idea presentation in multi-stage workshops that utilize innovative techniques to teach effective communication skills to participants. Beyond the thinking skills that are developed with improved communication, students will learn how to debate and share their views with their peers in a positive way and with control over their strong feelings, thus improving and strengthening interpersonal relationships. Some of the workshops organised by the college are as follows.

Workshop on Folk Culture and festivals of India

18/08/2018




PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Workshop on Proof of Reflection of Light

13/09/2019




PRINCIPAL

Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Workshop on Reaserch Report Writting

07/10/2022




PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Workshop - 2020

27/11/20



D. Kumar

PRINCIPAL

Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudbazar, Aurangabad (Bihar)

Workshop - 2021

21/07/2021



Ankur

PRINCIPAL

Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

BHAGWAN PRASAD SHEONATH PRASAD B.Ed. COLLEGE



Report of Workshop On Nai Talim Experiential Learning

2020

**Near Kera village, Patna Road,
Daudnagar, Aurangabad, Bihar-824113**

**Phone No.- 9334818458, 995562236,
7542927888**

Editor-
Dr. Amit Kumar
&
**Mr. Nishant
Kumar**



**Report
of
One Day Online Workshop
On**

Nai Talim Experiential Learning

For the Teacher Educators from the State of Bihar

(D.El.Ed., B. Ed., M.Ed., and the Teachers from the Discipline of Education)

Date: 13th July 2020 (Monday)

Organized by

Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College

Daudnagar, Aurangabad, Bihar

In Collaboration with

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education

(Department of Higher Education, Ministry of HRD, GOI, Hyderabad)

Designed by - Mr. Nishant Rai

विषय-सूची

1. कार्यशाला का उद्देश्य
2. परिचय
 - 2.i. कलेज के बारे में
 - 2.ii . एमजीएनसीआरई के बारे में
 - 2.iii . नई तालीम के बारे में
3. उद्घाटन सत्र
4. कार्यशाला का प्रथम सत्र
5. कार्यशाला का द्वितीय सत्र
6. कार्यशाला का तृतीय सत्र
7. कार्यशाला का चतुर्थ सत्र
8. प्रतिभागियों के विचार
9. विदाई भाषण
10. निष्कर्ष
11. प्रतिक्रिया विश्लेषण (फीडबैक फॉर्म)
12. परिशिष्ट—कार्यक्रम अनुसूची
13. कार्यशाला की झलकियां
14. समाचारपत्रों का कतरन
15. प्रतिभागियों की सूची

1. कार्यशाला का उद्देश्य

कार्यशाला का उद्देश्य सभी क्षेत्रों के जानकारों को एक जगह पर विचारों के आदान-प्रदान के लिए मंच उपलब्ध कराना है। विभिन्न विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिससे नये लोगों से मिलने, नयी-नयी चीजें सीखने एवं गहन अध्ययन के अवसर प्राप्त होते हैं। कार्यशाला का मूल उद्देश्य यह होता है कि प्रतिभागी अपनी छिपी प्रतिभाशक्ति और ज्ञान का परिचय दे सकें, प्रदर्शन कर सकें।

आज पूरी दुनिया कोरोना वायरस की महामारी ग्रसित है। सब कुछ अस्त-व्यस्त है। सभी लोग घरों में बंद हैं। किसी के मिलने पर पाबंदी है। ऐसे में कोविड-19 के संकट के बीच शिक्षा के क्षेत्र में एक बदलाव आया और डिजिटल सीखने को बढ़ावा मिला। नई डिजिटल तकनीकी के कारण आज हम दूर रहकर भी शिक्षा और शिक्षा से संबंधित चर्चाएं विचारों का आदान-प्रदान ऑनलाइन कार्यशाला के माध्यम से कर रहे हैं। ऑनलाइन शिक्षा और कार्यशाला कोविड-19 में एक वरदान साबित हुआ।

2.ii. कालेज के बारे में

2.परिचय

भगवान प्रसाद शिवनाथ प्रसाद बी. एड. कॉलेज, दाउदनगर, औरंगाबाद (बिहार)



2009 में स्थापित बिहार के सर्वाधिक प्रतिष्ठित अध्यापक-शिक्षा महाविद्यालयों में से एक है। विशेषकर गुणवत्तापूर्ण अध्यापक प्रशिक्षण के क्षेत्र में इस महाविद्यालय को अपने जिला और अपने क्षेत्र में गौरवपूर्ण स्थान है। यह महाविद्यालय राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (पूर्वी क्षेत्रीय समिति) भुवनेश्वर से मान्यता प्राप्त तथा मगध विश्वविद्यालय बोधगया एवं बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना से संबंधन प्राप्त है। अपनी स्थापना से लेकर आज तक इस महाविद्यालय का इतिहास अत्यंत

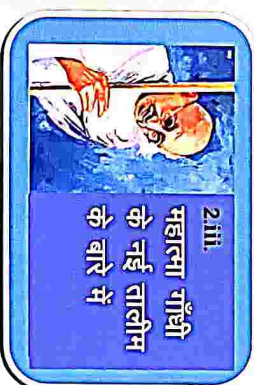
गौरवशाली रहा है। यह महाविद्यालय अपनी मजबूत आधारभूत संरचना, समृद्ध पुस्तकालय, उन्नत प्रयोगशाला, सुसज्जित सूचना एवं प्रौद्योगिकी कक्ष तथा गुणवत्तापूर्ण अध्यापक प्रशिक्षण से संबंधित सभी प्रकार की संसाधन-सुविधा के लिए प्रसिद्ध है। इस महाविद्यालय में पठन-पाठन के अलावा समय-समय पर विभिन्न प्रकार के क्रियाकलाप का आयोजन भी होते रहता है। जैसे-झांकी, वाद-विवाद, स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता अभियान आदि। इन सबका मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं

के व्यक्तित्व में निखार लाना, नेतृत्व की योग्यता को बढ़ाना और सोचने एवं समझने की योग्यता को बढ़ाने में मदद करना है।

2.ii. एमजीएनसीआरडि के बारे में



अनुभावात्मक शिक्षण को बढ़ावा देना महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एमजीएनसीआरडि) का मुख्य कार्य है। एमजीएनसीआरडि का पुराना नाम राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद (एनसीआरडि) था, जो 1995 में हैदराबाद में स्थापित हुआ था। 2018 में महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती पर इसका नाम परिवर्तित कर एमजीएनसीआरडि किया गया। यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के तहत काम करती है, जो उच्च शिक्षा की पहुँच के माध्यम से ग्रामीण भारत को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। यह परिषद भारत के विश्वविद्यालयों और स्वायत्त संस्थान द्वारा प्रस्तावित उच्च शिक्षा कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम इनपुट की डिजाइन विकसित करती और बढ़ावा देती है। पाठ्यक्रम इनपुट ग्रामीण भारत के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों क्षेत्र से संबंधित है। एमजीएनसीआरडि के लिए उच्च शैक्षिक धारा में ग्रामीण अध्ययन, ग्रामीण विकास, ग्रामीण प्रबंधन, सामाजिक कार्य और शिक्षा शामिल है।



गांधीजी की नई तालीम अनुभावात्मक अधिगम अर्थात् सीखने की दृष्टि और दर्शन की समझ पर केंद्रित है। यह पाठ्यक्रम, कौशल-अनुभव, ज्ञान और भावात्मक शिक्षण की गतिविधियों में भाग लेने के लिए 3-एच (हेड, हैंड और हार्ट) पर आधारित है। प्रायोगिक शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से विद्यार्थी पारंपरिक शैक्षणिक प्रक्रिया से बाहर

आकर प्रत्यक्ष अनुभवों से अपने ज्ञान-कौशल और सामाजिक मूल्यों का विकास करता है। यह छात्रों को बौद्धिक, रचनात्मक, भावनात्मक, सामाजिक या शारीरिक रूप से संतुलन रहने का अवसर प्रदान करता है। साथ ही साथ, विद्यार्थी-शिक्षक के लिए पहल करने, निर्णय लेने और परिणाम के प्रति जवाबदेह भी बनाता है। अनुभावात्मक शिक्षण या कार्य शिक्षा से छात्रों को उद्यमशील, आत्मनिर्भर बनाने और आजीवन सीखने में कैसे मदद मिलेगी, यह इसी दृष्टिकोण पर केंद्रित है। प्रायोगिक शिक्षा के माध्यम से शिक्षा का उद्देश्य जीवन में अच्छी तरह से महसूस किया जा सकता है।

भगवान प्रसाद शिवनाथ प्रसाद बी. एड. कॉलेज, दाउदनगर, औरंगाबाद, बिहार।
और

महात्मा गाँधी नेशनल काउंसिल ऑफ रूरल एजुकेशन, हैदराबाद।
"ऑनलाइन एक दिवसीय कार्यशाला"

विषय :- "नई तालीम एक्सपिरिएन्सल लर्निंग" (Nai Talim Experiential Learning)

दिनांक 13/07/2020 को पूर्वाह्न 10:30 कार्यशाला के तकनीकी सहायक निशांत कुमार के द्वारा गूगल मीट पर ऑनलाइन कार्यशाला का संयोजन किया गया। इस ऑनलाइन कार्यशाला में महाविद्यालय के सचिव डा0 प्रकाश चंद्र, एमजीएनसीआरइ के अरिस्टेंट डाइरेक्टर डा0 देवेन्द्र नाथ दास, प्राचार्य डा0 अमित कुमार, मुख्य अतिथि मगध विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डा0) राजेन्द्र प्रसाद, और एमजीएनसीआरइ के चेयरमैन डा0 डब्लू जी प्रसन्ना कुमार के साथ दाउदनगर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एम. एस. इस्लाम, मगध विश्वविद्यालय के नोडल ऑफिसर डा0 संजय कुमार, मगध विश्वविद्यालय, शिक्षा विभाग के डा0 संजीव कुमार पाण्डेय, डाइट, भोजपुर (आरा) के व्याख्याता डा0 श्रवण कुमार अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यालय में बिहार के विभिन्न डी0एल0एड0, बी0एड0, एम0एड0 कॉलेज के सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, व्याख्याता एवं विषय विशेषज्ञ लोग एवं सभी प्रतिभागी शामिल हुए।

3. उद्घाटन सत्र

प्रथम सत्र के प्रारंभ में प्राचार्य डा0 अमित कुमार ने कार्यशाला को सुचारु रूप से चलाने के लिए एमजीएनसीआरइ के अरिस्टेंट डाइरेक्टर डा0 देवेन्द्र नाथ दास तथा सचिव डा0 प्रकाश चंद्र को आमंत्रित किया। डा0 प्रकाश चंद्र ने इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मगध विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डा0) राजेन्द्र प्रसाद, एमजीएनसीआरइ के चेयरमैन डा0 डब्लू जी प्रसन्ना कुमार, दाउदनगर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एम.एस. इस्लाम, मगध विश्वविद्यालय के नोडल ऑफिसर डा0 संजय कुमार, शिक्षा विभाग, मगध विश्वविद्यालय के डा0 संजीव कुमार पाण्डेय, डाइट, भोजपुर (आरा) के व्याख्याता डा0 श्रवण कुमार तथा इस कार्यशाला में शामिल सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। डा0 चन्द्रा ने महाविद्यालय के गौरव इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का दिन महाविद्यालय के लिए गौरव का दिन है।

आप सभी का अपना बहुमूल्य समय निकालकर इस कार्यशाला में शामिल होने के लिए आभार प्रकट करता हूँ। इस कार्यक्रम में आप सभी के शामिल होने पर महाविद्यालय गौरवान्वित महसूस कर रहा है। डा0 देवेन्द्र नाथ दास ने भी सभी अतिथियों का स्वागत किया।

4. कार्यशाला का प्रथम सत्र

कार्यशाला के मुख्य अतिथि एवं उद्घाटक मगध विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 (डा0) राजेन्द्र प्रसाद ने इस कार्यशाला के आयोजक को धन्यवाद दिया। कार्यशाला के विषय महात्मा गाँधी की नई तालीम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नई तालीम की अवधारणा विकास केन्द्रित है। नई तालीम के द्वारा व्यक्ति की मानसिक, शारीरिक एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता प्राप्त की जा सकती है। कोविड-19 की परिस्थिति में प्रधानमंत्री के मूल मंत्र आत्मनिर्भर भारत की प्रेरणा निश्चित तौर पर महात्मा गाँधी की नई तालीम से प्राप्त कर सकते हैं। डा0 प्रसाद ने यह भी कहा कि नई तालीम की अवधारणा को आधुनिक रूप में लागू कर व्यक्ति के मन, शरीर, व आत्मा का समग्र विकास किया जा सकता है।

एमजीएनसीआरइ के चेयरमैन डा0 डब्लू. जी. प्रसन्ना कुमार ने विशेष आतिथ्य भाषण में नई तालीम के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि नई तालीम के द्वारा व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास किया जा सकता है। व्यक्ति का विकास राष्ट्र का विकास है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो निश्चित रूप से नई तालीम को आधुनिक रूप देकर उसे भारत की शिक्षण कक्षाओं में अनिवार्य रूप से लागू किया जाना चाहिए।

दाउदनगर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डा0) एम. एस. इस्लाम इस वर्कशॉप में अतिथि के रूप में शामिल होकर महात्मा गाँधी की नई तालीम के बारे में कहा कि गाँधी युग ग्राणीण भारत का था। भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। नई तालीम निश्चित रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर आधारित थी। आज नए संदर्भ में नई तालीम को नया रूप देकर व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

प्रथम सत्र के अन्त में मगध विश्वविद्यालय के नोडल ऑफिसर डा0 संजय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि आज इस कार्यशाला के उद्घाटन कर्त्ता एवं मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डा0) राजेन्द्र प्रसाद, एमजीएनसीआरइ के चेयरमैन डा0 डब्लू. जी. प्रसन्ना कुमार, दाउदनगर कॉलेज के

प्राचार्य प्रो. (डा०) एम. एस. इस्लाम, महाविद्यालय के सचिव डा० प्रकाश चंद्र, एमजीएनसीआरडि के अस्सिस्टेंट डायरेक्टर डा० देवेन्द्र नाथ दास, विषय विशेषज्ञ डा० संजीव कुमार पाण्डेय, डा० श्रवण कुमार, इस वर्कशाप के आयोजक मण्डल, तकनीकी सहायक श्री निशंत कुमार तथा सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देता हूँ और इस कार्यशाला का आयोजन करने के लिए मैं भगवान प्रसाद शिवनाथ प्रसाद बीएड महाविद्यालय के प्राचार्य डा० अमित कुमार को विशेष धन्यवाद देता हूँ।

5. कार्यशाला का द्वितीय सत्र

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में एमजीएनसीआरडि के अस्सिस्टेंट डायरेक्टर डा० देवेन्द्र नाथ दास एवं प्राचार्य डा० अमित कुमार विषय विशेषज्ञ डा० संजीव कुमार पाण्डेय, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया, का स्वागत किया गया।

नई तालीम एक्सप्रिन्टल लर्निंग विषय पर विशेषज्ञ डा० संजीव कुमार पाण्डेय ने विस्तार से चर्चा की। इस चर्चा में नई तालीम की रूप-रेखा पर विमर्श किया गया। इस नई तालीम को आज के परिवेश में शिक्षा, शिक्षण कार्य, उत्पादकता से प्रयोगात्मक रूप से कैसे सम्बद्ध किया जाय, इन मुद्दों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

6. कार्यशाला का तृतीय सत्र

इस कार्यशाला के तृतीय सत्र के प्रारम्भ में प्राचार्य डा० अमित कुमार द्वारा नई तालीम विषय विशेषज्ञ डा० श्रवण कुमार, व्याख्याता, डाइट, भोजपुर, आरा का स्वागत किया गया। डा० श्रवण कुमार ने नई तालीम के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा राष्ट्र के विकास में नई तालीम की व्यापक संभावना पर चर्चा की। साथ ही, नई तालीम में शिक्षा शब्द को भी परिभाषित किया। डा० श्रवण कुमार ने नई तालीम को आधुनिक समय के लिए भी प्रासंगिक बताते हुए कहा कि आज के भौतिकवादी युग में गाँधी जी की नई तालीम से संबंधित शिक्षा मानवता के भटकाव को सही दिशा प्रदान कर सकती है।

7. कार्यशाला का चतुर्थ सत्र

कार्यशाला के चतुर्थ सत्र की समूह-चर्चा में एमजीएनसीआरडि के अस्सिस्टेंट डायरेक्टर डा० देवेन्द्रनाथ दास, डा० श्रवण कुमार, महाविद्यालय के सहायक प्रोफेसर प्रो. पंकज कुमार, प्रो. रामचंद्र यादव ने भाग लिया। इन सभी ने नई तालीम के कार्य और शिक्षा से सम्बंध स्थापित करने, श्रम और भागीदारी की अवधारणा, नई तालीम के प्रायोगिक फील्ड, प्रायोगिक शिक्षण पद्धति का उपयोग आदि विषयों से प्रतिभागियों को परिचित कराया।

8. प्रतिभागियों के विचार

इस कार्यशाला में 66 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें से कुछ प्रतिभागियों ने भी अपनी जिज्ञासा, अपने प्रश्न रखे।

सारिका ठाकुर, सहायक प्राध्यापक, भगवान प्रसाद शिवनाथ प्रसाद बी. एड. कॉलेज ने कहा कि गाँधी की नई तालीमके द्वारा आत्मनिर्भर भारत, बेरोजगारी उन्मूलन, ज्ञान भक्ति (भाव) कर्म के समन्वय आदि को नवीन रूपों में परिभाषित किया जा सकता है। गाँधी जी की वैचारिक प्रासंगिकता पर जोर दिया। कहा कि इस तरह के सार्थक, प्रेरक पहल के लिए आयोजक समिति को सहृदय धन्यवाद देती हूँ।

डा० शाजिया फातमा, व्याख्याता, डाइट, सोनपुर, सारण ने कहा कि नई तालीम के गाँधीवादी प्रस्ताव ने विद्यालयी पाठ्यक्रम के केन्द्र में उत्पादकता, मानवीय श्रम के आधार पर काम और शिक्षा के बीच विरोधाभास को चुनौती दी है।

चन्दन कुमार, सहायक प्राध्यापक, डीपीआरपी बी. एड. कॉलेज, औरंगाबाद ने कहा कि महात्मा गाँधी की भारत को जो देन हैं, उनमें बुनियादी शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण एवं बहुमूल्य है। उनकी तालीम को राष्ट्रवादी दृष्टि से व्यावहारिक रूप दिया जाना चाहिए।

शशि रंजन, पी.एच.डी. स्कॉलर, महात्मा गाँधी, वर्धा ने कहा कि नई तालीम की शिक्षा वर्तमान परिदृश्य में मूल्यों को जोड़ने का कार्य कर रही है, क्योंकि वर्तमान समय में विद्यार्थी अपने मूल्यों को खोता जा रहा है। नई तालीम विद्यार्थी को जमीनी स्तर से जोड़कर शिक्षा प्रदान करने का कार्य करता है, जिसमें विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ रोजगार संबंधी कार्य भी करने का भी अवसर प्राप्त होता है। इससे विद्यार्थी स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के साथ किसी व्यवसाय को भी कर सकने में सक्षम होता है।

9. विदाई भाषण

कार्यशाला के अंतिम सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डा० अमित कुमार ने इस वर्कशॉप में शामिल मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों, विषय विशेषज्ञ, आयोजक मण्डल, सभी प्रतिभागी, मीडियाकर्मी, इन सभी को कार्यशाला में शामिल होने के लिए आभार प्रकट किया तथा धन्यवाद दिया।

डा० कुमार ने विशेष रूप से एमजीएनसीआरइ के अस्सिस्टेंट डायरेक्टर डा० देवेन्द्रनाथ दास का आभार प्रकट किया, जिन्होंने इस तरह की कार्यशाला के आयोजन का अवसर प्रदान किया।

डा० कुमार ने तकनीकी सहायक श्री निशांत कुमार का भी विशेष आभार प्रकट किया और कहा कि इस कार्यशाला के लिए उन्होंने हर क्षण तत्परता और अपनी कार्यक्षमता के साथ अपना दायित्व निभाया। इस आयोजन की शानदार सफलता की मेजबानी के लिए हर्ष भी व्यक्त किया।

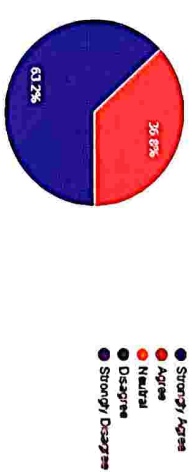
10. निष्कर्ष

इस कॉलेज के द्वारा आयोजित कार्यशाला में शामिल सभी वक्ताओं ने अपने जो विचार प्रस्तुत किये, उन विचारों के आधार पर हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि आज के इस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के युग में यदि हम सभी अपने राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं और भारत के गौरवशाली परंपरा, वैभव और सांस्कृतिक विरासत को अधुण रखना चाहते हैं तथा राष्ट्र की एकता अखण्डता को बनाये रखना चाहते हैं तो इसके लिए महात्मा गाँधी की नई तालीम को प्राथमिकता देनी होगी।

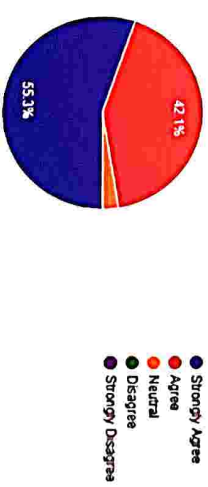
11. प्रतिक्रिया विश्लेषण

सभी 64 प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया एकत्र की गई। कार्यशाला से संबंधित लेखन प्लान, समय प्रबंधन, प्रश्न और उनके विचारों को पूछा गया, जो इस प्रकार हैं—

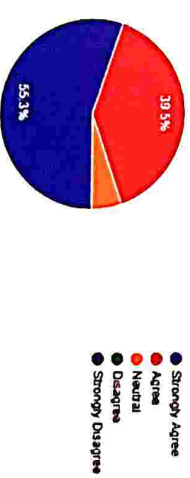
The Workshop extended my understanding of the concept.



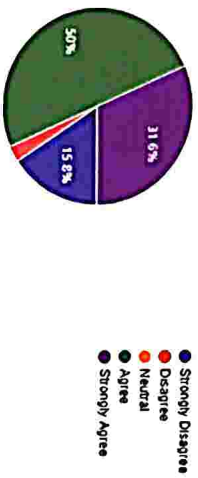
The materials presented in the workshop is relevant to the present scenario.



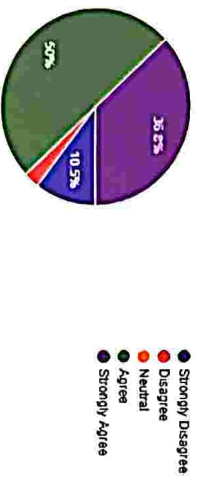
The experiential learning is applicable for your area.



The Resource Persons' Knowledge of the subject area was good.



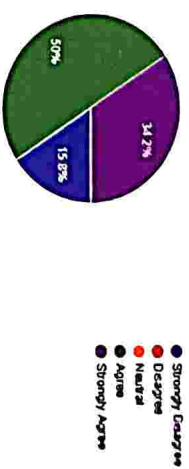
The Resource Persons' explained the material well.



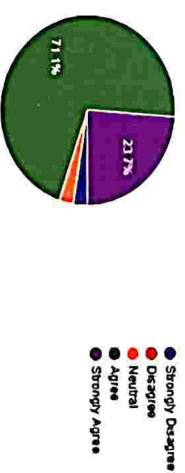
The apps used in the workshop was run well.



The workshop was well Organized.



The balance between lectures and the hands-on session was optimal.



What are the applications you have learned from this workshop?

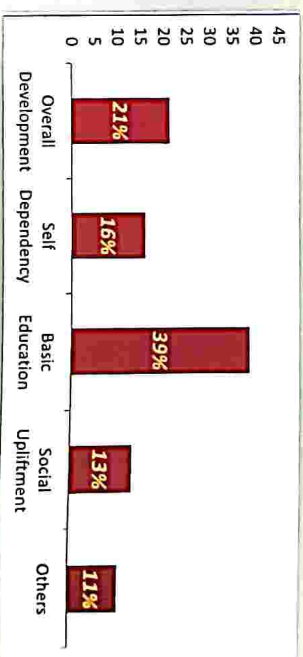
A- Overall Development

B- Self Dependency

C- Basic Education

D- Social Upliftment

E- Others



12. Programme Schedule

13/07/2020 (Monday)

| 13/07/2020 (Monday) | | | |
|--|--|---|--|
| Session – I 11.00 am – 12.00 pm Inauguration | Welcome Address Introduction of Guests | Dr. Debendra N Dash, MGNCRE, Hyderabad & Dr. Prakash Chandra, Secretary, BSP & EL COLLEGE, Daudnagar | |
| | Inaugural Address | Dr. Rajendra Prasad, Hon'ble V.C., Magadh University, Bodh-Gaya & Prof. M.S. Bisaini Principal, D.N. College-Daudnagar | |
| Session – II 12.00 pm to 12.45pm | Inaugural Address & Introduction to Nai Talim Experiential Learning Vote of Thanks | Dr. W. G. Prasanna Kumar Chairman, MGNCRE & Mr. Sanjay Kumar Nodal Officer, MTU, Bodh-Gaya | |
| | Keynote Address - Nai Talim Experiential Learning | Dr. Sanjeeva Kumar Pandey Asso. Prof., Dept. of Education, MTU, Bodh-Gaya | |
| 12.45 pm to 1.30pm Lunch Break | | | |
| Session – III 01.30 pm to 02.30pm | Presentations on Nai Talim Experiential learning Aspects/Activity (Nai Talim Outpur) | Dr. Debendra N Dash Dr. Sharan Kumar | |
| Session - IV 02.30 pm to 03.30pm | Group Discussion and Writing on any one of the following aspects 1. Work and Education 2. Community Engagement and Experiential Learning 3. Nai Talim and Field Engagement 4. Importance of Nai Talim / Experiential Learning as a curriculum rather than co-curriculum? | Dr. Debendra N Dash Dr. Sharan Kumar Mr. Pankaj Kumar Mr. R. C. Yadav | |
| | | Dr. Amit Kumar, Principal, BSP & EL COLLEGE, Daudnagar | |
| Validatory 03.30 pm to 03.35 pm | Participants' Views Vote of Thanks | | |

13. Would you recommend some suggestions regarding the Workshop?

A- इस तरह वर्कशॉप का आयोजन समय-समय पर होना चाहिए, ताकि शिक्षकों को नई शिक्षण विधियाँ और आयामों के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके। इससे छात्र लाभान्वित होंगे।

-ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित किया जाय।

-this type of work shop should be conducted regauraly .

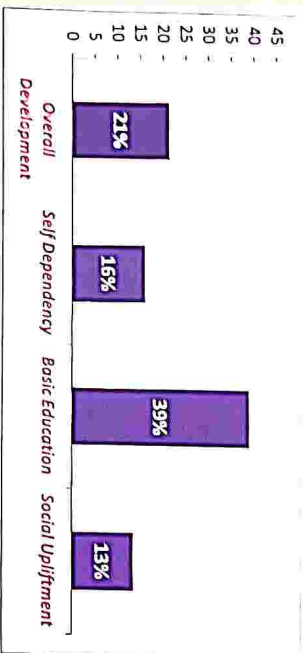
-Such type of webinar may be organised in future also.

-इस विषय पर कार्यशाला का आयोजन तब तक निरंतर जारी रखने की आवश्यकता है, जब तक हम सब अपने विषय में सफल न हो जाएं।

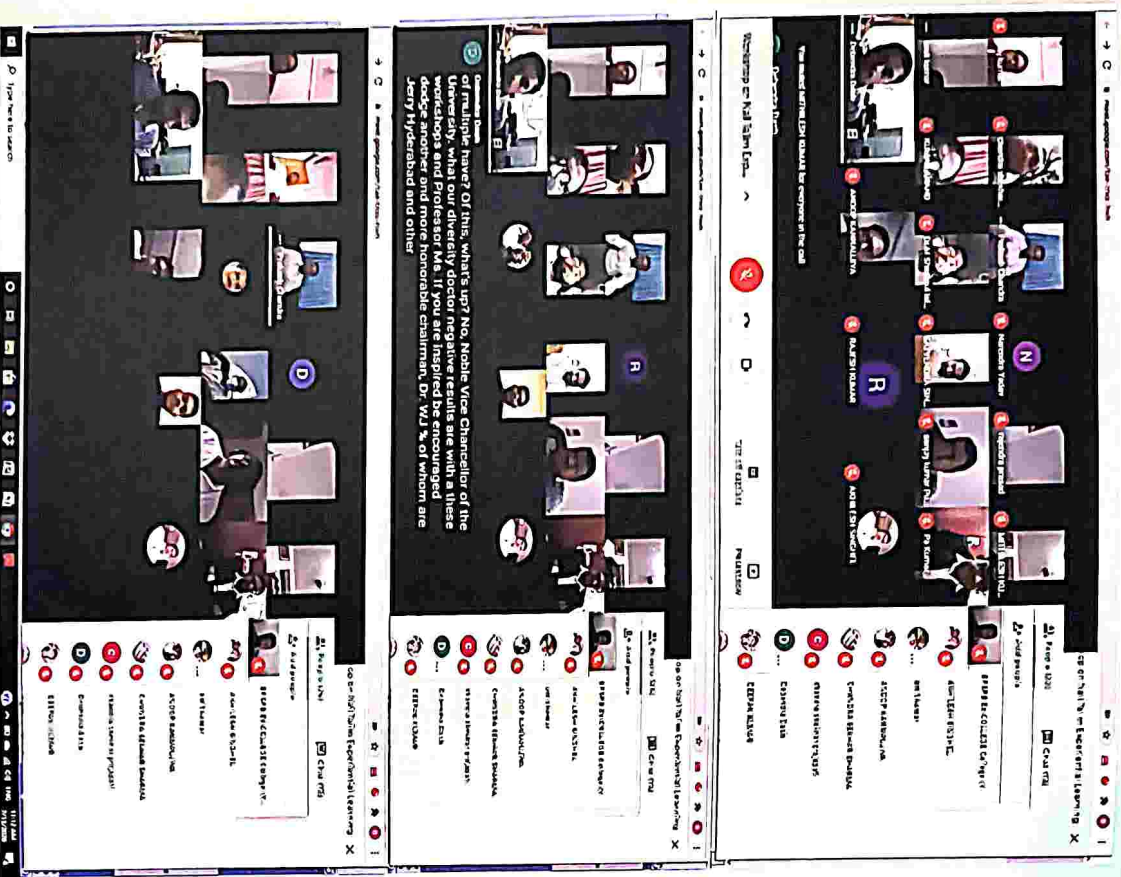
B- छात्रों की रचनात्मक शैली को प्रवर्धना जाए, हस्तशिल्प गुणों का विकास किए जाएं, आधुनिक शिक्षा में विज्ञान एवं कनेक्ट सोलूने पर जोर दिया जाए ।

C- Well organized learning activities will able to teach students the skills to apply knowledge into practice, motivation, positive learning and students are interested in learning.

D- Others



13. कार्यशाला की इलकियों



14. कार्यशाला आयोजन की खबरें सभावार पत्रों में

पेज 70-5

प्रचलनम्। प्राचिन प्रसाद शिवनाथ प्रसाद बीरद कोरजेज में मालमा गांधी नेराजल कावसिल आका रूलन एजुकेसन एगजनीनसीआई के साथ मिलकर ऑनलाइन चकरीया नसी तालीन का आगेवन किया गया। इस चकरीया में शिषण सस्थान से जुड़े 75 प्रति भागिनी ने पाण लिया। कोरजेज के सविष डॉ प्रकाश चंद्रा एस्ट एमपीएनसीआई के ऑसस्टेंट हाउसकेर डा.देवेंद्र नाथ दास ने मुख्य अतिथि, सगवति एवम सभा प्रतिभागिनी का स्वागत किया। भाषि विविधविधालय भाषया के कुलपति डॉ पजेन्द्र प्रसाद, दाउदनगर कोरजेज के प्राचास प्रो.डा.एम.एस इरामान डा.बकुर जी प्रभन्ना-कुमारन वहीर मुख्य अतिथि संबलिषि करतु पूरु काशि की नगी यलिषण पाउसीनग महलाना गांधी की कविताएा है और यह एक ठिकासा पर कींवा है। इस चकरीया में चकता के रूप में डिवाइकेट ऑफ एगुकेसन मगस विविधविधालय के सूसीसिस्ट प्रोफेसर संजीवकुमारपांडेय, डाउत पाणपुरके प्रसका डा श्रवण कुमार, डा. देवेंद्र नाथ दास, संजल कुमार, एमए के पावला पंकज कुमार आदि ने बिचल के प्रबलन।

यौतदनभार कालिज के प्राचास
प्रमज्जान्मसीआसई केवेषमिअ.अ.बन्धु
जी.प्रसन्न-कुभार ने बातीर गुच्छ आतिय
संवाहित कल ह्रुए कभाकि नली वालिस
एउट्ठिआ भगनामा गांधी की अवभाएला
ई ओर बास एक थिकासा पर कलित है।
इस वर्कशॉप में यकना के रूप में
विद्यार्थिमत और एउकिगन मगस
विशालासित के एसोसिएट प्रोफेसर
संजीव कुभारवांहेय, खयत पोणपुर के
प्रस. संजय कुभार, जी. देवन नाम
यकन कुभार आदि ने विचार के राबना

पृष्ठ 70-4

आत्मानं भर् बनाने के लिए नई तालीम जरूरी

[illegible][illegible]

गया आरक्षक 14-07-2020

कार्यक्रम • बीड कॉलेज और महारामा गांधी नेशनल काउंसिल ऑफ़ रूराल एजुकेशन की हुई ऑनलाइन वर्कशॉप

ਯੁੱਧ ਦਾ ਨਿਰੰਤਰ ਖੇਡਾ

[illegible][illegible][illegible]

औरंगाबाद 14-07-2020

बीएड कॉलेज में ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन, 75 प्रतिभागी हुए शामिल

ਬਿਟੀ ਰਿਪੋਰਟ | ਟਾਝਨਪਾਸ



संस्कृत-भाषा, पुरातन-साहित्य, गीत-पद्य-प्रबन्ध-आदि, अतिशय-विशाल-विश्व-विद्यालय-प्रकार-का-विश्व-विद्यालय-आ-रूप-में-संयोजित-हो-सके-गा-।

[illegible]

[illegible][illegible]

सरकार विद्या : आकाश और जगत्कृत पाप

पृष्ठ १०-४

देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गांधी जी के मूल मंत्र को समझना बेहद जरूरी

[illegible]

ऑनलाइन पठ्यस्थान में शामिल शिक्षाविद.

[illegible]

| Sl.N o. | Name | Designation | Address (Institution/organisation/college) | Mobile no. |
|------------|------|-------------|---|------------|
|------------|------|-------------|---|------------|

| | | | | |
|----|------------------------|---------------------|--|------------|
| 1 | ANOO P KUNNANUJIYA | ASSISTANT PROFESSIR | BSPS BED COLLEGE DAUD NAGER AURNAGABAD BIHAR | 8808984550 |
| 2 | AJEET YADAV | ASSISTANT PROFESSOR | TRS COLLEGE OF EDUCATION & TECHNOLOGY KAUSHAMBI | 8957599148 |
| 3 | AMAR JEET SINGH YADAV | ASSISTANT PROFESSOR | BSPS AURANGABAD BIHAR | 8840500890 |
| 4 | ANIMA KUMARI | ASSISTANT PROFESSOR | SHMITT.COLLEGE DHANBAD JHARKHAND | 9709116589 |
| 5 | CHANDRA SEKHAR SHARMA | ASSISTANT PROFESSOR | ADWAITA MISSION TRAINING COLLEGE, MANDAR VIDYAPEETH | 9456671151 |
| 6 | DEEPAK KUMAR MISHRA | ASSISTANT PROFESSOR | A.M.COLLEGE KATARI HILL ROAD GAYA | 9931295861 |
| 7 | DR JITHENDRA SINGH | ASSISTANT PROFESSOR | TRS COLLEGE OF EDUCATION & TECHNOLOGY KAUSHAMBI UP | 9918107499 |
| 8 | DR RAJESH KUMAR | ASSISTANT PROFESSOR | SBPG COLLEGE DADAR ASHRAM SIKANDERPUR BALLIA U P | 9927498561 |
| 9 | DR T. BLESSY | ASSISTANT PROFESSOR | BETHLAHEM COLLEGE OF EDUCATION, KARUNGAL | 9487352132 |
| 10 | DR. AMIT KUMAR | ASSISTANT PROFESSOR | B M A COLLEGE, BAHERI, DARBHANGA,BIHAR, PIN-847105 | 7979956079 |
| 11 | DR. YASHWANT YADAV | ASSISTANT PROFESSOR | BHAGWAN PRASAD SHEONATH PRASAD B.ED. COLLEGE DAUDNAGAR AURANGABAD BIHAR | 9450584917 |
| 12 | DR.SARAH BASU | ASSISTANT PROFESSOR | BAREILLY COLLEGE | 9997213680 |
| 13 | ISHITA | ASSISTANT PROFESSOR | DEPARTMENT OF EDUCATION, NALANDA COLLEGE BIHAR, SHARIF,NALANDA,BIHAR ,803101 | 9308347008 |
| 14 | JETTYANDRA KUMAR SINGH | ASSISTANT PROFESSOR | D.P.R.P. B.ED. COLLEGE CHITRAGOPI AURANGABAD | 9097658082 |
| 15 | KRIPA SHANKAR YADAV | ASSISTANT PROFESSOR | NEHRU GRAM BHARATI (DEEMED TO BE UNIVERSITY), PRAVAGRAJ | 9208613061 |
| 16 | MAHENDRA SINGH | ASSISTANT PROFESSOR | MAA ARAANYA DEVI B.ED COLLEGE ARA | 9453532902 |
| 17 | MANAS RANJAN BECK | ASSISTANT PROFESSOR | MODEL DEGREE COLLEGE | 8984702872 |

| | | | | |
|----|--------------------------|--|---|--------------|
| 18 | MITHILESH KUMAR SHUKLA | ASSISTANT PROFESSOR | BMTC MOTIHARI | 9807850303 |
| 19 | MOHD SOHAL AHMAD | ASSISTANT PROFESSOR | B. P. S. P. B. ED. COLLEGE, DAUDNAGAR, AURANGABAD, BIHAR | 7666812511 |
| 20 | MOHINI SINGH VISHEN | ASSISTANT PROFESSOR | MADAN MOHAN MALVIYA PG COLLEGE BHAT PAR RANI DEORIA UP | 9149189593 |
| 21 | MR. DEEPAK KUMAR | ASSISTANT PROFESSOR | SITAMARHI, BIHAR | 9798491043 |
| 22 | PANKAJ KUMAR | ASSISTANT PROFESSOR | B.P.S.P.B.ED COLLEGE DAUDNAGAR AURANGABAD | 9472075510 |
| 23 | PINKI KUMARI | ASSISTANT PROFESSOR | NALANDA COLLEGE, BIHAR SHARIF, NALANDA, BIHAR, 803101 | 8789249814 |
| 24 | PREM PRAKASH | ASSISTANT PROFESSOR | TAPINDU INSTITUTE OF HIGHER STUDIES, PATNA | 9308467525 |
| 25 | RAJESH KUMAR YADAV | ASSISTANT PROFESSOR | D.B.P.G CLAGE BACHHARAWAN RAEBARELI UTTAR PRADESH | 9889488910 |
| 26 | CHANDRA YADAV | ASSISTANT PROFESSOR | BHAGWAN PRASAD SHEONATH PRASAD B. ED. COLLEGE DOUNNAGAR AURANGABAD | 9006141569 |
| 27 | RAJESH KUMAR AWASTHI | ASSISTANT PROFESSOR | BCMT US NAGAR UTTARAKHAND | 9410219124 |
| 28 | RUPAM RAGINI | ASSISTANT PROFESSOR | TAKSHILA COLLEGE OF EDUCATION, PATNA | 7070255644 |
| 29 | SARIKA THAKUR | ASSISTANT PROFESSOR | B.P.S.P. B.ED COLLEGE DAUDNAGAR AURANGABAD BIHAR | 9511803927 |
| 30 | SHIVASHREY YADAV | ASSISTANT PROFESSOR | NEHRU GRAM BHARTI DEEMED TO BE UNIVERSITY KOTWA, JAMUNIPUR PRAVAGARAJ | 449454706655 |
| 31 | UNESH CHAUHAN | ASSISTANT PROFESSOR | KEPA, DAUDNAGAR, AURANGABAD BIHAR | 9098158272 |
| 32 | UTTAM MONDAL | ASSISTANT PROFESSOR | BTTC TRIPURA | 9735627729 |
| 33 | SHAGUFTA NIGAR | ASSISTANT PROFESSOR & HEAD (D.EL.ED.COUR SE) | L. K. MISHRA COLLEGE OF TEACHER EDUCATION DARBHANGA, BIHAR | 7491962399 |
| 34 | DIGVIJAY SINGH | ASSISTANT TEACHER | P S OYARCHAK, CHANDAULI, UTTAR PRADESH | 7398057433 |
| 35 | DR. SANJEVA KUMAR PANDEY | ASSOCIATE PROFESSOR | MAGADH UNIVERSITY, BODHGAYA | 9470470461 |
| 36 | DR. VIVEKANAND SINGH | ASSOCIATE PROFESSOR | DOE, MAGADH UNIVERSITY BODHGAYA BIHAR | 9415504903 |
| 37 | DR. SEEMA SHARMA | ASSOCIATE PROFESSOR | RABINDRANATH TAGORE UNIVERSITY BHOPLAL | 8962462604 |

| | | | | |
|----|-------------------------------|--------------------------------------|--|------------|
| 38 | SATTENDRA SINGH YADAV | ASSISTANT PROFESSOR | BHAGWAN PRASAD SHEONATH PRASAD B. ED. COLLEGE | 9415885949 |
| 39 | ABHISHEK KUMAR | ASSISTANT PROFESSOR | RAMESH JHA MAHILA COLLEGE | 9334927241 |
| 40 | AKHILESH SINGHEL | ASSISTANT PROFESSOR | BPSP B.ED. COLLEGE DAUDNAGAR AURANGABAD BIHAR | 9455345696 |
| 41 | CHANDAN KUMAR | ASSISTANT PROFESSOR | DASHRATH PRASAD RAMMAJADAN PANDEY B.ED. COLLEGE, CHITRAGOPAL, AURANGABAD (BIHAR) | 7870082000 |
| 42 | ASHISH KUMAR MISHRA | ASSISTANT PROFESSOR | UPS BAHADURPUR HUKMI, PILIBHIT | 9411074702 |
| 43 | CHANDRA SHEKHAR PRAJAPATI | EDUCATION | VIDYA COLLEGE OF PROFESSIONAL STUDIES, PATNA | 8287625074 |
| 44 | DR. GEETA RANI | HOD, DEPARTMENT OF TEACHER EDUCATION | 4C VASUNDHRA GHAZIABAD | 9650866655 |
| 45 | CHANDRA PRAKASH MANI TRIPATHI | LECTURER | D.I.E.T. SASARAM, ROHTAS, BIHAR | 8840741849 |
| 46 | DR MD AKHLAQR RAHMAN | LECTURER | DIET BIKRAM PATNA | 7416533947 |
| 47 | DR. KUMARI VINEETA | LECTURER | DIET, BANKA | 8294757491 |
| 48 | DR. PUSHKAR KUMAR | LECTURER | DIET NALANDA, NOORSARAI | 9431212306 |
| 49 | DR. SHAZIA FATMA | LECTURER | DIET, SONEPUR | 9470415440 |
| 50 | JAMAL AHMED | LECTURER | DIET, PUSA, SAMASTIPUR | 9122973622 |
| 51 | KUMAR ANAND | LECTURER | CTE BHAGALPUR BIHAR | 9431089883 |
| 52 | NIRAJ KUMAR | LECTURER | PRIMARY TEACHER EDUCATION COLLEGE, PHULWARIA, BHAGALPUR | 9931203818 |
| 53 | NISHANT KUMAR | LECTURER | BSPBEDCOLLEGE DAUDNAGAR | 9955622367 |
| 54 | RASHMI KUMARI | LECTURER | PTEC MASAUHRI PATNA (BIHAR) | 8789041626 |
| 55 | SEEMA FULERA | LECTURER | B.N.R. TRAINING COLLEGE GULZARBAGH, PATNA | 8630074198 |
| 56 | ALAYA KUMAR ROUI | LECTURER IN EDUCATION | ANCHALIKA MAHAVIDYALAYA GADIA, MAYURBHANU, BARIPADA | 7205450220 |
| 57 | PAWAN KUMAR | PGT HINDI | KENDRIYA VIDYALAYA SANGTHAN | 8414091959 |

| | | | | |
|----|---------------------|--------------------------|--|------------|
| 58 | VIVEK KUMAR | POST GRADUATE TEACHER | RANI MANDAKINI+2HIGH SCHOOL KARON DEOGHAR | 9006010176 |
| 59 | DR. AMIT KUMAR | PRINCIPAL | BHAGWAN PRASAD SHEONATH PRASAD B.ED COLLEGE DAUDNAGAR,AURANGABAD . | 9334818458 |
| 60 | DR. RAJ KUMAR GOYAL | PROFESSOR | MODEL PUBLIC EDUCATION COLLEGE CHANDASI SAMBHAL UP | 9870803282 |
| 61 | DEEPAK KUMAR | RESEARCH SCHOLAR | CUSB, GAYA, BIHAR | 8409821130 |
| 62 | ANIL KUMAR YADAV | TEACHER | PS SARYUPATTI | 8299771130 |
| 63 | VANI VANDANA BISWAL | TEACHER EDUCATOR | KSUB,CTE | 9090407486 |
| 64 | SHRUTI | TRAINED GRADUATE TEACHER | GOVERNMENT MIDDLE SCHOOL KANYA KARON DEOGHAR | 9472236068 |
| 65 | PINKI KUMARI | ASSISTANT PROFESSOR | BPSP B.ED. COLLEGE DAUDNAGAR AURNGABAD BIHAR | 7903506763 |
| 66 | BABITA DERHGAWEN | ASSISTANT PROFESSOR | BPSP B.ED. COLLEGE DAUDNAGAR AURNGABAD BIHAR | 7991141181 |